तकनीक को अधिक से अधिक प्रासंगिक बनाना होगा: गुरुनानी

▪ आईआईएम में प्रीतम सिंह स्मृति परिषद का उद्घाटन

भास्कर प्रतिनिधि | नागपुर.

हमें अगर बदलाव लाना है तो अपनी प्रतिभाओं, तकनीक और प्रक्रिया में संशोधन करना होगा। हमें तकनीक को अधिक से अधिक प्रासंगिक बनाना होगा। खुद को सक्षम बनाते हुए सभी चुनौतियों का डट कर सामना करना होगा। यह बात टेक महिंद्रा के सीईओ-एमडी और आईआईएम संचालक मंडल के अध्यक्ष सी.पी. गुरुनानी ने कही। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) नागपुर में गुरुवार को तीन दिवसीय प्रीतम सिंह स्मृति परिषद का शुभारंभ हुआ। गुरनानी ऑनलाइन मोड में कार्यक्रम से जुड़े थे। कार्यक्रम का बीजभाषण देते हुए आईओसीएल के एचआर निदेशक रंजन कुमार मोहपात्रा ने कहा कि महामारी के बाद लोगों ने महसूस किया है कि परिस्थितियां रातोंरात बदल सकती है। ऐसे में अपने ज्ञान को प्रखर रखना होगा। आज नौकरीपेशा वर्ग को अच्छे काम के माहौल और संतुष्टी चाहिए।

नौकरी अब केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं है। ऐसे में एचआर की जिम्मेदारी है कि वो काम के माहौल को और सुधारें।

कार्यक्रम में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी ने डॉ.प्रीतम सिंह को याद करते हुए शिक्षा संस्थानों के विकास में उनके योगदान पर बात की। कार्यक्रम में आईआईएम निदेशक डॉ.भीमराया मैत्री ने भी अपने विचार रखे।

पिपल्स लैब के सीईओ डॉ.सुब्रत कुमार ने आभार प्रदर्शन किया। परिषद की अध्यक्षता प्रो.शिवा कक्कर, प्रो. आलोक कुमार सिंह और रामा पापी रेड्डी अन्नापुरेड्डी ने की।